## कक्षा - कक्ष के बाहर भाषा के कार्य
## Functions of Language Outside the classroom

कक्षा - कक्ष के बाहर भी भाषा का प्रयोग व्यापक रूप से होता है। प्रयोग अनौपचारिक रूप में पाया जाता है। घर - परिवार में प्रयोग की जाने वाली भाषा का स्वरूप कक्षागत भाषा से भिन्न होता है। बाहरी व्यवहार एवं विकास प्रक्रिया में भाषा का महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। सीखने की प्रक्रिया कक्षा के बाहर तथा विद्यालय दोनों में ही होती है। कक्षा - कक्ष के बाहर की भाषा के प्रयोग के स्वरूप निम्नलिखित रूप से स्पष्ट किया जा सकता है:-

① सामाजिक दायित्वों का निर्वहन — विद्यालय के बाहर अनेक प्रकार की क्रियाओं में भाग लेना है। इन क्रियाओं को सम्पन्न करने में भाषा का ही उपयोग होता है

② सांस्कृतिक विकास में उपयोग — भारत में अनेक प्रकार की सभ्यताएँ एवं संस्कृतियाँ पायी जाती है। इनका आदान - प्रदान भाषा द्वारा ही सम्भव होता है। इसके लिए एक मध्यस्थ भाषा का प्रयोग किया जाता है या दूसरी भाषा में अनुवाद किया जाता है।

③ विचार विनिमय में उपयोग — विचार विनिमय की प्रक्रिया विद्यालय की अपेक्षा विद्यालय के बाहर व्यापक रूप से सम्पन्न होती है क्योंकि विद्यालय से बाहर बालक अधिक रहता है।

④ सामाजिक परम्पराओं का ज्ञान - बालक समाज में अनेक प्रक्रियाओं को सम्पन्न होते हुए देखता है, जैसे - वैवाहिक कार्यक्रम, कृष्ण लीला आदि

⑤ विचारों का एकत्रीकरण।

⑥ राष्ट्रीय एकता की भावना।

⑦ मनोरंजन का आधार।

⑧ सृजनात्मकता क्षमता का विकास।

निष्कर्ष :-

उपरोक्त विवेचनाओं से यह स्पष्ट होता है कि कक्षा - कक्ष में शिक्षण के दौरान प्रत्येक छात्रों के व्यक्तिगत विभिन्नता को ध्यान में रखते हुए उनकी आवश्यकताओं, क्षमताओं, शक्तियों एवं रुचियों के अनुरूप ही निर्मित किया जाना चाहिए।

=.